परिशिष्ट – A

पाठ्यक्रम संरचना सत्र – 2020–21
कक्षा – XII
विषय – भूगोल (102)

पूर्णांक – 100 | **सैद्धांतिक – 70**
प्रायोगिक – 30

क्रमांक	इकाई	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड
भाग–A		**मानव भूगोल के मूल सिद्धांत**	**35 (30+5)**	**50**
1.	1	मानव भूगोल : प्रकृति एवं विषय क्षेत्र	05	05
2.	2	●प्राथमिक क्रियाएँ ●द्वितीयक क्रियाएँ ●तृतीयक एवं चतुर्थ क्रियाकलाप ●परिवहन एवं संचार ●अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	**22**	35
3.	3	●मानव बस्ती	03	10
		●नक्शा कार्य	05	05
भाग–B		**भारत : लोग और अर्थव्यवस्था**	**35(30+5)**	**50**
4.	4	●जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन ●प्रवास : प्रकार, कारण, परिणाम ●मानव विकास	09	05
5.	5	●भूसंसाधन एवं कृषि ●जल संसाधन ●खनिज तथा ऊर्जा संसाधन ●निर्माण उद्योग ●भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत पोषणीय विकास	**16**	30
6.	6	● छत्तीसगढ़ : लोग और अर्थव्यवस्था	05	10
		●नक्शा कार्य	05	05
योग			**70**	**100**
भाग –C प्रयोगात्मक कार्य	**1.** **2.**	●आकड़े : स्त्रोत और संकलन ●आंकड़ो का प्रक्रमण ●आंकड़ो का आलेखीय निरूपण ●आंकड़ो का प्रक्रमण एवं मानचित्रण में कम्प्यूटर का उपयोग ●क्षेत्रीय सर्वेक्षण ●स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी	**30**	20
		महायोग	**100**	**120**

पाठ्यक्रम संरचना सत्र – 2020–21

कक्षा – XII

विषय – भूगोल (102)

इकाई	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड

(I) मानव भूगोल के मूल सिध्दान्त **35 अंक** **50 कालखण्ड**

इकाई–1.

1.1 मानव भूगोल–प्रकृति एवं विषय क्षेत्र –

मानव भूगोल की प्रकृति, मानव का प्राकृतीकरण और प्रकृति का मानवीकरण, मानव भूगोल के क्षेत्र।

इकाई–2.

2.1 प्राथमिक क्रियाएँ–

आखेट एवं भोजन संग्रह, पशुचारण, चलवासी पशुचारण, वाणिज्य पशुधन पालन, कृषि– निर्वाह कृषि, आदिकालीन निर्वाह कृषि, गहन निर्वाह कृषि, रोपण कृषि, विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि, मिश्रित कृषि, डेरी कृषि, भूमध्यसागरीय कृषि, बाजार के लिए सब्जी खेती एवं उद्यान कृषि, सहकारी कृषि, सामुहिक कृषि, खनन, खनन कार्य को प्रभावित करने वाले कारक।

2.2 द्वितीयक क्रियाएँ–

विनिर्माण, आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ, कौशल का विशिष्टीकरण/उत्पादन की विधियॉ, यंत्रीकरण, प्रौद्योगिकीय नवाचार, संगठनात्मक ढॉचा एवं स्तरीकरण, अनियमित भौगोलिक वितरण, बाजार तक अभिगम्यता, कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता, श्रम आपुर्ति तक अभिगम्यता, शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता,परिवहन एवं संचार सुविधाओं तक अभिगम्यता, सरकारी नीति, समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता/उद्योगो, के मध्य संबंध, विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण– कुटीर उद्योग, छोटे पैमाने के उद्योग, बड़े पैमाने के उद्योग, कच्चे माल पर आधारित उद्योग–कृषि आधारित, खनिज आधारित उद्योग, रसायन आधारित उद्योग, वनों पर आधारित उद्योग, पशु आधारित उद्योग, उत्पादन, उत्पाद आधारित उद्योग, स्वामित्व के आधार पर उद्योग, परंपरागत बड़े पैमाने वाले औद्यौगिक प्रदेश, जर्मनी का रूहर कोयला क्षेत्र, लौह इस्पात उद्योग, सूती कपड़ा उद्योग उच्च प्रौद्यौगिकी की संकल्पना।

2.3 तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप–

तृतीयक क्रियाकलापों के प्रकार, व्यापार और वाणिज्य, फुटकर व्यापार, थोक व्यापार, परिवहन, परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक, संचार, दूरसंचार सेवाएँ, तृतीयक क्रियाकलापों में संलग्न लोग, कुछ चयनित उदाहरण–पर्यटन, पर्यटक प्रदेश, पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक, पर्यटन आकर्षण, भारत में समुद्रपार रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ, चतुर्थ क्रियाकलाप, पंचम क्रियाकलाप।

2.4 परिवहन एवं संचार–

परिवहन, परिवहन की विधाएँ, सड़क परिवहन, महामार्ग, सीमावर्ती सड़कें, रेलमार्ग, पारमहाद्वीपीय रेल–मार्ग, पार–साइबेरियन रेलमार्ग, पार–कैनेडियन रेलमार्ग, संघ और प्रशांत रेलमार्ग, आस्ट्रेलियाई पारमहाद्विपीय रेलमार्ग, ओरिएंट एक्सप्रेस, जल परिवहन, समुद्री मार्ग, महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग– उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग, भूमध्यसागर– हिन्दमहासागरीय समुद्री मार्ग, उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग, दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग, उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग, दक्षिणी प्रशांत समुद्री मार्ग तटीय नौ परिवहन, नौ परिवहन नहरें–स्वेज नहर, पनामा नहर, आंतरिक जलमार्ग, वायु परिवहन, अंतर–महाद्वीपीय वायुमार्ग, पाइपलाइन, संचार, उपग्रह संचार, साइबर स्पेस–इंटरनेट।

2.5 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार–

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्वपूर्ण पक्ष, व्यापार संतुलन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार, मुक्त व्यापार की स्थिति, विश्व व्यापार संगठन, प्रादेशिक व्यापार समूह, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार–पत्तन, पत्तन के प्रकार।

इकाई–3.

3.1 मानव बस्ती

बस्तियों का वर्गीकरण– ग्रामीण नगरीय द्विभाजन, बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप, ग्रामीण बस्ती, ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप, ग्रामीण बस्तीयों की समस्याएँ, नगरीय बस्तियॉं, नगरीय बस्तियों का वर्गीकरण, नगरीय क्षेत्रों के कार्य, आकृति के आधार पर नगरों का वर्गीकरण, नगरीय बस्तियों के प्रकार विकासशील देशों में मानव बस्तियों की समस्याएँ, नगरीय बस्तियों की समस्याएँ, ।

(II) भारत : लोग और अर्थव्यवस्था (35 अंक) 50 कालखण्ड़

इकाई–4.

4.1 जनसंख्या वितरण, घनत्व, वृध्दि और संघटन –

जनसंख्या का वितरण, जनसंख्या का घनत्व, जनसंख्या की वृध्दि, जनसंख्या वृध्दि में क्षेत्रीय भिन्नताऐं, जनसंख्या संघटन, ग्रामीण–नगरीय संघटन, भाषाई संघटन, भाषाई वर्गीकरण, धार्मिक संघटन, श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन, श्रम की प्रतिभागिता दर क्या होती है?

4.2 प्रवास–प्रकार, कारण और परिणाम–

प्रवास–प्रवास की धाराएँ, प्रवास में स्थानिक विभिन्नता, प्रवास के कारण, प्रवास के परिणाम।

4.3 मानव विकास–

भाारत में मानव विकास, आर्थिक उपलब्धियों के सूचक, स्वस्थ जीवन के सूचक, सामाजिक सशक्तिकरण के सूचक, भारत में मानव विकास सूचकांक, जनसंख्या, पर्यावरण और विकास।

इकाई–5.

5.1 भूसंसाधन तथा कृषि–

भू–उपयोग वर्गीकरण, भारत में भू–उपयोग परिवर्तन, भारत में कृषि भू–उपयोग, भारत में फसल ऋतुएँ कृषि के प्रकार, खद्यान्न फसल, तिलहन रेशेदार फसलें– भारत में कृषि विकास, कृषि उत्पादन में वृध्दि तथा प्रौद्योगिकी का विकास, भारतीय कृषि की समस्याएँ।

5.2 जल संसाधन–

भारत के जल संसाधन– धरातलीय जल संसाधन, भौम जल संसाधन, लैगून और प च जल, संभावित जल समस्या, जल के गुणों का ह्रास, जल संरक्षण और प्रबंधन।

5.3 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन–

खनिज संसाधनों के प्रकार, भारत में खनिजों का वितरण– लौह खनिज, अलौह– खनिज, अधात्विक खनिज ऊर्जा संसाधन अपरंपरागत ऊर्जा स्त्रोत– खनिज संसाधनों का संरक्षण।

5.4 निर्माण उद्योग–

उद्योगो के प्रकार, उद्योगों की स्थिति– मुख्य उद्योग, लौह–इस्पात उद्योग, एकीकृत इस्पात कारखाने– सूती वस्त्र उद्योग, भारत में उदारीकरण, निजीकरण, तथा वैश्वीकरण एवं औद्योगिक विकास, भारत के औद्योगिक प्रदेश–कोलम तिरूवनंतपुरम प्रदेश।

5.5 भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास–

लक्ष्य क्षेत्र नियोजन, पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम, केस अध्ययन–भरमौर क्षेत्र में समन्वित जनजातीय विकास कार्यक्रम, सतत पोषणीय विकास, केस अध्ययन–इंदिरा गॉधी नहर कमान क्षेत्र,सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय।

इकाई–6.

6.1 छत्तीसगढ़ लोग और अर्थव्यवस्था–

जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व, जनसंख्या की वृध्दि, जनसंख्या संघटन, ग्रामीण नगरीय संघटन, सामाजिक विविधता, साक्षरता और शिक्षा संघटन, छत्तीसगढ़ के खनिज संसाधन, छत्तीसगढ़ के प्रमुख उद्योग–खनिज आधारित उद्योग, कृषि आधारित उद्योग, वन आधारित उद्योग, छत्तीसगढ़ः भूसंसाधन कृषि और जलसंसाधन, छत्तीसगढ़ मे भू–संसाधन तथा कृषि, छत्तीसगढ़ में फसल ऋतुएँ, छत्तीसगढ़ की कृषि की विशेषताएँ, कृषि की समस्याएँ, कृषि के विकास के प्रयास, उद्यानिकी कृषि (बागाती कृषि), छत्तीसगढ़ में जलसंसाधन, सिंचाई, छत्तीसगढ़ में उपलब्ध जलस्त्रोत, छत्तीसगढ़ पर्यटन।

योग (सैद्धांतिक)	**70**	**100**
प्रायोगिक कार्य	**30**	**20**
महायोग	**100**	**120**

उपसचिव
छ0 ग0 माध्यमिक शिक्षा मण्डल
रायपुर